सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

वर्ष : 7
अंक : 81
अक्टूबर : 2016

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

8 | ताओ–रहस्य
10 | समसामयिकी घटना संग्रह
12 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

20 आर्थिक घटना संग्रह

- रिजर्व बैंक ने वर्ष 2016-17 की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा जारी की
- लोक सभा ने जीएसटी विधेयक (122वाँ संविधान संशोधन) पारित किया
- कम्पनी अधिनियम के तहत् भारतीय डाक भुगतान बैंक का गठन

24 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- एफसीआई कर्मचारियों को नई पेंशन योजना की स्वीकृति
- राष्ट्रपति ने प्रौद्योगिकी संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 2016 को मंजूरी दी
- गुजरात भूमि विधेयक 2016 को राष्ट्रपति की मंजूरी

28 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- ब्रिक्स महिला सांसदों ने जयपुर घोषणापत्र जारी किया
- थाइलैण्ड ने सैन्य समर्थित संविधान को स्वीकृति दी
- ब्राजील के निलम्बित राष्ट्रपति डिल्मा राउसेफ पर महाभियोग का प्रस्ताव पारित

30 खेल खिलाड़ी

- रियो ओलम्पिक खेलों का रंगारंग समापन
- चार दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट खिलाड़ियों पर प्रतिबन्ध लगाया गया
- नोवाक जोकोविच ने एटीपी टोरंटो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता

35 | अनुप्रेरक युवा प्रतिभा–आई.बी.पी.एस. द्वारा आयोजित लिपिकीय संवर्ग परीक्षा, 2016-17 में चयनित : पप्पू कुमार
36 | विज्ञान समाचार
38 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

41 | आर्थिक लेख–भारतीय अर्थव्यवस्था एवं ब्रेक्सिट का असर
42 | पर्यावरण लेख–रेडिएशन (विकिरण) : खतरे एवं बचाव के उपाय
43 | संवैधानिक लेख–संविधान के अन्तर्गत राजभाषा की व्यवस्था
45 | कैरियर लेख–नेशनल डिफेंस अकादमी
वार्षिक रिपोर्ट 2015-16
83 | उपभोक्ता मामलों सम्बन्धी प्रोग्राम्स, गतिविधियाँ एवं नई पहलें–एक दृष्टि में
86 | प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता
87 | तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक–78 का परिणाम
88 | रोजगार अवसर

हल प्रश्न-पत्र

आई.बी.पी.एस. द्वारा आयोजित बैंक लिपिकीय संवर्ग सम्मिलित लिखित प्रारम्भिक परीक्षा, 2015
47 तर्कशक्ति परीक्षा
50 संख्यात्मक अभियोग्यता
53 English Language
56 मध्य प्रदेश डाक विभाग मेलगार्ड परीक्षा, 2016
63 झारखण्ड वनरक्षी, प्रारम्भिक परीक्षा, 2015
रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया सहायक परीक्षा, 2015
69 तर्कशक्ति
72 General English
75 संख्यात्मक अभियोग्यता
79 सामान्य ज्ञान
81 कम्प्यूटर ज्ञान

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

➲ **सम्पादक** : महेन्द्र जैन
➲ **रजिस्टर्ड ऑफिस** : 2/11-ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2
➲ **सम्पादकीय ऑफिस**
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन– 4053333, 2531101, 2530966
फैक्स– (0562) 4053330
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टोमर केयर: care@pdgroup.in

➲ **दिल्ली ऑफिस**
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110 002
फोन– 011-23251844/66

➲ **पटना ऑफिस**
पारस भवन (प्रथम तल),
खजांची रोड,
पटना– 800 004
फोन– 0612-2673340
मो– 09334137572

➲ **कोलकाता ऑफिस**
28, चौधरी लेन, श्याम बाजार
कोलकाता– 700 004
फोन– 033-25551510
मो– 07439359515

➲ **हल्द्वानी ऑफिस**
8-310/1, ए. के. हाउस
हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला–नैनीताल– 263 139
(उत्तराखण्ड)
मो– 07060421008

➲ **हैदराबाद ऑफिस**
1-8-1/B, आर. आर. कॉम्प्लेक्स
बाग लिंगमपल्ली, हैदराबाद–500 044
फोन– 040-66753330
मो– 09391487283

➲ **इन्दौर**
63-64, कैलाश मार्ग,
ग्राउण्ड फ्लोर,
श्रीजी एवेन्यू, मलहारगंज,
इन्दौर– 452 002 (म.प्र.)
मो– 08899588088

➲ **लखनऊ ऑफिस**
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर
टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइंया,
लखनऊ– 226 004
फोन– 0522-4109080
मो– 09760181118

➲ **नागपुर ऑफिस**
1461, जूनी शुक्रवारी,
सक्करदरा रोड, हनुमान
मन्दिर के सामने,
नागपुर–440 009 (महाराष्ट्र)
फोन– 0712-6564222
मो– 09370877776

ताओ-रहस्य

—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

लाओत्से ताओ - तेह - किंग के 29वें सूत्र में कहता है कि–

- एक सच्चे मुसाफिर की कोई पक्की योजना नहीं होती है.
  उसका मंजिल पर पहुँचने का कोई इरादा भी नहीं होता है.
- एक सच्चा कलाकार अपनी अंतरात्मा से प्रेरणा लेता है, और वह उसे जहाँ जाना हो वहाँ जाने देता है.
- एक सच्चा वैज्ञानिक अपने आपको सभी सामान्य विचारों से दूर रखकर, अपना दिमाग खुला रखता है.
- इसी से गुरु सबसे मिल सकता है, किसी को भी ना नहीं कहता है. वह हर घटना का उपयोग कर लेता है, उसे खाली नहीं जाने देता है.
  इसने प्रकाश का स्वयं में आगमन होने दिया.
- अच्छा आदमी बुरे आदमी के शिक्षक के सिवाय क्या हैं ? बुरा आदमी अच्छे आदमी के कार्य के सिवाय क्या है ? यदि आप यह बात नहीं समझ पाए, तो खो जाएंगे
  आप कितने ही बुद्धिमान क्यों न हो,
  यह बहुत बड़ा और गहरा रहस्य है।

उपर्युक्त तीन सूत्रों में जिस बात को कहा गया है वह है 'योजनाएँ मत बुनो।' जीवन सदा असंस्कृत है, उसे संस्कारित करने की चेष्टा न करो. वह पहले से ज्ञात नहीं है. अज्ञात है, उसे जीना संभव है, पहले से जानना संभव नहीं है. लाओत्से कहते हैं कि एक सच्चे मुसाफिर की कोई पक्की योजना नहीं होती है. उसका मंजिल तक पहुँचने का कोई इरादा भी नहीं होता है.' जिसे कहीं घर बसाने का भ्रम नहीं है, जो जानता है कि यहाँ सब मुसाफिर हैं, अपने-अपने अतीत कल्प के कारण चलते-चलते परस्पर मिल गए हैं, ऐसे में किसी की यात्रा एक-दूसरे के साथ स्थायी नहीं है. एक पत्थर की भी अपनी यात्रा है, वह भी कहीं से चला है. चलता चला जा रहा है, एक पानी की बूंद की भी अपनी यात्रा है, लकड़ी का टुकड़ा भी अपनी यात्रा पर है, यहाँ हर एक कण अपनी यात्रा में गतिमान है इसलिए वह किसी भी प्रकार की **'पक्की'** योजना बनाता ही नहीं है. वह **'सच्चा'** मुसाफिर संयोगों में जीता है. जब जो मिला उसी के संग हो लिया. वह जानता है कि पूरा जीवन ही सफर है इसलिए उसका मंजिल तक पहुँचने का कोई इरादा भी नहीं होता है. वह ताओ में जीता है, वर्तमान में जीता है, क्षण-क्षण जीता है इसीलिए उसके लिए इस क्षण से परे कोई मंजिल है ही नहीं, जहाँ कि उसे जाना हो, पहुँचना हो. उसका जीवन हर क्षण है. वह, जो ताओ में जीता है, वही सच्चा कलाकार है, वह अपनी अंतरात्मा से प्रेरणा लेता है, बाहरी उत्तेजनाओं से आंदोलित नहीं होता. वह दूसरों के द्वारा सराहे जाने की प्रतीक्षा नहीं करता, दूसरों द्वारा आमंत्रित होने पर ही कला दिखाएगा, ऐसा भी नहीं सोचता. एक सच्चे कलाकार की कला भीतर से बाहर ठीक ऐसे ही स्फुरित होती है जैसे फूलों से सुरभि. वह अंतरात्मा से प्रेरणा लेता है और वह उसे जहाँ जाना हो, जाने देता है. वह अपनी कला पर किसी प्रकार की पाबंदी नहीं लगाता है. कोई उसकी कला का मोल करे या न करे, उसे कला प्रदर्शन के लिए प्लेटफॉर्म मिले या न मिले - वह किसी भी 'पर' के प्रति कोई अपेक्षा नहीं रखता. निरपेक्ष कला साधना उसी की होती है जो ताओ में जीता है. अन्यथा तो कला प्रदर्शन के लिए सर्वत्र हौड़-दौड़ ही नजर आती है. कलाकारों के मध्य प्रतिस्पर्धा, ईर्ष्या व अहंकारयुक्त प्रदर्शन किसी कलाकार के सच्चे कलाकार न होने की निशानियाँ हैं.